कानपुर, रविवार, 25 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 27, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड पाकिस्तान को आईसीसी की चेतावनी...>Pg12

ये दिल तुम्हारे प्यार का मारा है दोस्तों...>Pg06

मूल्यः 2 ₹

बांग्लादेश में हिंदू युवक को जिंदा जलाया

नरसिंदी में सोते वक्त गैराज को बनाया गया आग का गोला, वीडियो आया सामने

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। नरसिंदी जिले के मस्जिद मार्केट इलाके में 23 वर्षीय हिंदू युवक चंचल चंद्र भौमिक की जिंदा जलाकर हत्या किए जाने का आरोप है। युवक का जला हुआ शव आग बुझने के बाद गैराज के भीतर से बरामद हुआ।

चंचल कुमिल्ला जिले के लक्ष्मीपुर गांव का निवासी था और कई वर्षों से नरसिंदी में एक गैराज में काम कर वहीं रह रहा था। वह परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार देर रात जब वह गैराज के अंदर सो रहा था, तभी बाहर से शटर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। आग कुछ ही मिनटों में पूरे गैराज में फैल गई।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति को दुकान के बाहर आग लगाते हुए देखा जा सकता है। सूचना पर पहुंची फायर सर्विस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक चंचल की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने इसे पूर्व नियोजित हत्या बताते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और मामले में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव है और हिंदू समुदाय ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

- बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में हिंदू युवक को जिंदा जलाने का आरोप
- गैराज में सोते वक्त शटर पर पेट्रोल डालकर लगाई गई आग
- मृतक चंचल चंद्र भौमिक (23), परिवार का एकमात्र कमाने वाला
- आग लगाते हुए व्यक्ति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल
- फायर सर्विस ने एक घंटे बाद आग पर पाया काबू
- परिजनों ने बताया पूर्व नियोजित हत्या
- पुलिस ने सीसीटीवी जांच और केस दर्ज करने की बात कही
- अल्पसंख्यक सुरक्षा को लेकर फिर उठे गंभीर सवाल

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 14.84 करोड़ की ठगी

वाराणसी। दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में सामने आए 14.84 करोड़ रुपये की हाई-प्रोफाइल साइबर ठगी का दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सनसनीखेज खुलासा किया है। इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस यूनिट ने इस मामले में वाराणसी के एक पुजारी समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी कंबोडिया और नेपाल से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह के लिए काम कर रहे थे।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, ठगों ने एक बुजुर्ग एनआरआई डॉक्टर दंपती को 'डिजिटल अरेस्ट' के जाल में फंसाया। आरोपियों ने खुद को सीबीआई और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों का अधिकारी बताकर दंपती को डराया और वीडियो कॉल के जरिए लंबे समय तक मानसिक दबाव में रखा। आईएफएसओ यूनिट के डीसीपी विनीत कुमार ने बताया कि दिसंबर 2025 में 77 वर्षीय महिला को कॉल कर कहा गया कि उनके नाम पर जारी सिम कार्ड का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है। इसके बाद वीडियो कॉल पर फर्जी गिरफ्तारी वारंट और जाली अदालती कार्यवाही दिखाकर उन्हें भयभीत किया गया।डर के माहौल में पीड़िता और उनके पति को लगातार निगरानी में रखा गया और सावधि जमा, शेयर निवेश व बैंक खातों से आठ अलग-अलग लेनदेन के जरिए कुल 14.84 करोड़ रुपये ठगों द्वारा बताए गए खातों में ट्रांसफर करा लिए गए।

मानव सम्पदा पोर्टल बना सरकारी कर्मियों के लिए जी का जंजाल

आए दिन पोर्टल में खामियों से कर्मचारियों में रोष, वेतन रुकने का संकट

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।उत्तर प्रदेश सरकार के मानव सम्पदा पोर्टल की वेबसाइट लगातार बाधित रहने से राज्य कर्मचारियों की परेशानी बढ़ती जा रही है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री एवं जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने बताया कि सर्वर ठप होने के कारण कर्मचारी अपने संगत वर्ष की चल व अचल संपत्ति का विवरण पोर्टल पर अपलोड नहीं कर पा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि शासन द्वारा जनवरी माह की अंतिम तिथि तक ही संपत्ति विवरण अपलोड करने की समय-सीमा तय की गई है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिन कर्मचारियों का विवरण समय से पोर्टल पर अपलोड नहीं होगा, उनका जनवरी माह का वेतन रोका जा सकता है। इससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।इस गंभीर समस्या को लेकर आज सिंचाई विभाग में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राजा भरत अवस्थी ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि मानव सम्पदा पोर्टल शीघ्र सुचारु नहीं होता है, तो समय-सीमा बढ़ाए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन को ज्ञापन भेजा जाएगा।बैठक का संचालन जिला मंत्री इंजीनियर कोमल सिंह ने किया। बैठक में रणधीर सिंह यादव, अजय द्विवेदी, सहाब सरताज, मंजू रानी कुशवाहा, हरीश श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र अवस्थी, सुखेन्द्र यादव, अजीत निगम, पारसनाथ, अमित पांडेय, राम स्वरूप, आनंद बाजपेयी, विक्रम शर्मा, जितेन्द्र मिश्रा, जितेन्द्र भट्ट, अटल पाल, अरशद हलीम, महेंद्र सिंह, आशुतोष दीक्षित, जितेन्द्र सिंह, देवाशीष सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

कर्मचारी संगठनों ने शासन से मांग की है कि तकनीकी खामी को देखते हुए समय-सीमा बढ़ाई जाए, ताकि कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से वेतन रोके जाने जैसी

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत में किसी की चेन तो किसी का पर्स चोरी

कानपुर में दो दिन पहले आए थे प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर में बीते दिनों भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत कार्यक्रम के दौरान भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसी भीड़ का फायदा उठाकर शातिर चोरों ने एक महिला की 12 ग्राम की सोने की चेन पर हाथ साफ कर दिया। कार्यक्रम के दौरान महिला को चोरी का अहसास तक नहीं हुआ और चेन चुपचाप शातिर हाथों में सरक गई।

पीड़िता ने घटना की शिकायत चकेरी थाने में दर्ज कराई, लेकिन शिकायत के बाद भी पुलिस करीब 24 घंटे तक निष्क्रिय बनी रही। जब पीड़ित महिला कार्यक्रम की तस्वीरों को सबूत के तौर पर लेकर दोबारा थाने पहुंची, तब जाकर पुलिस हरकत में आई। इस लापरवाही को लेकर क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इसी कार्यक्रम में एक और घटना सामने आई। कानपुर के वरिष्ठ पार्षद महेंद्र पांडे उर्फ पप्पू भैया का पर्स भी भीड़ के दौरान चोरी हो गया। पर्स में कई महत्वपूर्ण कागजात रखे हुए थे। घटना के बाद पार्षद ने सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना जारी कर पर्स मिलने की अपील की है।

लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं ने बड़े राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। सवाल यह है कि जब वीआईपी कार्यक्रमों में भी आम लोग सुरक्षित नहीं हैं, तो आम दिनों में सुरक्षा का भरोसा कैसे किया जाए।

जल अमूल्य निधि है — जल ही जीवन है

जलकल विभाग, नगर निगम, कानपुर

जल संरक्षण के हित में उपभोक्ताओं से अपील

क्र. सं0	क्या करे	क्र. सं0	क्या न करे
1.	जलकल विभाग द्वारा आपूर्तित अथवा इण्डिया मार्क-।। हैण्डपम्प का पानी पीने में प्रयोग करें।	1.	अनाधिकृत रूप से ठेलियों / ट्राली पर पानी बेचने वालों के पानी का प्रयोग न करें।
2.	आपकी पाइप लाइन नाली अथवा किसी अन्य गन्दे स्थान से हो कर जा रही हों तो पंजीकृत प्लम्बर से उसका मार्ग परिवर्तित करा लें अथवा इस पर केसिंग पाइप अवश्य लगवा लें। सर्विस पाइप 2-लाइन पुरानी अथवा क्षत्तिग्रस्त हो गयी हो तो उसे तत्काल बदलवा लें। अन्यथा गन्दा पानी पेयजल को प्रदूषित करेगा।	2.	पानी की लाइन में बूस्टर पम्प लगा कर, सीधे पानी न लें। यदि आवश्यक हो तो टब अथवा टैंक में जलकल के नल से पानी एकत्र कर उसे बूस्टर पम्प द्वारा ऊपर चढ़ायें।
		3.	हैण्डपम्प के चारों तरफ गन्दा पानी एवं गन्दगी न एकत्र होने दें।
3.	हैण्डपम्प का प्लेट फार्म साफ रखें।	4.	सीवर मेनहोल में कूड़ा करकट न डालें तथा मेनहोल खुला होने पर तत्काल कन्ट्रोल रूम को सूचित करें।
4.	गन्दा पानी आने पर जलकल विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय अथवा जलकल विभाग के कन्ट्रोल रूम नं0-9235553826, 9235553827 पर फोन कर अवगत करायें।	5.	पानी लेने के बाद नल/स्टैण्ड पोस्ट खुला न छोड़ें। पानी का भण्डारण करे व अपव्यय रोके।
5.	जलकल विभाग की पाइप लाइन में लीकेज / सीवर समस्या होने 5- पर तत्काल जलकल विभाग के कंट्रोल रूम नं0-9235553826, 9235553827 पर इसकी जानकारी दें।	6.	पानी के बर्तन में हाथ न डालें, पानी निकालने के लिये लम्बे हैन्डल के बर्तन का प्रयोग करें।
6.	पानी एकत्र करने के लिये ढक्कन युक्त साफ बर्तन का प्रयोग करें।		

जन सामान्य के अच्छे भविष्य हेतु जल संरक्षण

1- बैठको सेमीनारों प्रदर्शनियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जहाँ पेयजल आवश्यक हो, एक लीटर के पानी के बोतल के स्थान पर 250-300 मिली0 के पानी के बोतल का इस्तेमाल किया जाये, जिससे इस अमूल्य धरोहर को अपव्यय से बचा जा सके।
2- जन सामान्य पानी पीने हेतु छोटे बर्तन / गिलास का उपयोग करें। प्राय: यह देखा जाता है कि लोग बड़े गिलास / बर्तन में पानी लेकर एक या दो घूँट पानी पीने के बाद शेष पानी फेक देते है। इस लिये उतना ही पानी लिया जाये जिसे पिया जा सके।
3- प्राय: यह देखा जाता है कि लोग पीने के पानी (ट्रीटेड) से अपने लान, किचेन, गार्डेन, फूलों की क्यारियों की सिचाई तथा गर्मियों में घर के सामने की सड़क भिगातें है ताकि धूल न उड़े। जनमानस से अनुरोध किया जाता है कि पेयजल की महत्ता को पहचाने एवं इस अमूल्य धरोहर / संसाधन को अपव्यय से बचने का प्रयास करें।
4- ताजा पानी के उपयोग हेतु सांय / विगत दिवस में संरक्षित पीने के पानी को न फेके / बर्बाद न करें उसे अन्य कार्य में उपयोग में लायें।
5- सर्विस स्टेशनों द्वारा गाड़ी धोने में पीने के पानी का प्रयोग न करें।

नोट- जलकल / जलमूल्य / सीवर कर के बिलों का भुगतान समय से कर छूट का लाभ प्राप्त करें। बिलों का भुगतान जलकल विभाग की वेबसाईट www.jalkalkanpur.in पर आन लाइन भी जमा किये जा सकते है।

सचिव — महाप्रबंधक

SWACHH SURVEKSHAN
#Mera Shahar, Meri Pehchan 2023

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

नगर निगम कानपुर

आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।

नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग।
इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री अर्पित उपाध्याय (आईएएस) नगर आयुक्त

यूजीसी एक्ट 2026 के विरोध में सांसदों को सौंपा गया ज्ञापन

सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति के प्रतिनिधिमंडल द्वारा यूजीसी नियम कानून को लेकर किया विरोध

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। यूजीसी एक्ट 2026 के अंतर्गत बनाए गए कुछ प्रावधानों को संविधान विरोधी एवं सामाजिक सौहार्द के लिए घातक बताते हुए कानपुर में सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति के प्रतिनिधिमंडल द्वारा विरोध दर्ज कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने माननीय सांसद अकबरपुर, कानपुर देवेंद्र सिंह भोले तथा सांसद कानपुर रमेश अवस्थी को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए इन नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि लष्ट की इक्यूटी कमेटी एवं इक्कल अपरचुयूनिटी सेंटर्स से जुड़े प्रावधान व्यवहार में ÷समता÷ के स्थान पर एकतरफ़ा संरचना का निर्माण कर रहे हैं, जिससे सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ संस्थागत असमानता उत्पन्न होने की आशंका है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि इन समितियों में सामान्य वर्ग का अनिवार्य प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए, जिससे निर्णय प्रक्रिया संतुलित, पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि नियम सभी छात्रों पर समान रूप से लागू किए जाएँ–किसी भी जाति या वर्ग को न तो विशेषाधिकार मिले और न ही किसी को पूर्वाग्रह के आधार पर संदेह की दृष्टि से देखा जाए।

साथ ही, झूठी, दुर्भावनापूर्ण एवं प्रेरित शिकायतों पर स्पष्ट एवं कठोर दंडात्मक प्रावधान जोड़े जाने की मांग की गई, ताकि शैक्षिक संस्थानों में भय, असुरक्षा और अविश्वास का वातावरण न बने।

प्रतिनिधिमंडल ने जोर देकर कहा कि शैक्षिक संस्थानों को जातिगत विभाजन से मुक्त रखा जाना चाहिए और वहाँ केवल ÷छात्र÷ की पहचान हो, न कि जाति या वर्ग की। उनका कहना था कि यदि राज्य स्वयं कानून के माध्यम से किसी वर्ग के साथ असमानता करेगा, तो संविधान में निहित समानता की भावना को गंभीर क्षति पहुँचेगी। यह ज्ञापन सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति के प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपा गया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में अजय कुमार द्विवेदी, सुधीर द्विवेदी, रजत मिश्रा, आकाश ठाकुर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रतिनिधियों ने सांसदों से अपेक्षा जताई कि वे इस विषय को संसद एवं संबंधित मंचों पर उठाकर न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करेंगे।

सम्पादकीय

सरकारी सख्ती से बंद होगा मारक खेल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा।

पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग-सतर्क किए जाने की आवश्यकता है।

शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है। देश में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को भी बाध्य किया जाना चाहिए कि वे उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करके संदिग्ध फोन नंबरों के प्रति सचेत करें।

प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

यशवंत सचदेव

भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है।आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना। आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी ज़ज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था।

आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा। आकांक्षावान भारत का उदयः भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गई हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं। कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नज़र आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है। ऐसे में जनता के विश्वास की रक्षा कैसे की जा सकती है? आजादी के इतने साल के बाद लगभग वही सवाल आज भी खड़े हैं, जिनके चलते देश का बँटवारा हुआ और महात्मा गांधी जैसी विभूतियां भी इस बँटवारे को रोक नहीं पाई। देश के अनेक हिस्सों में चल रहे अतिवादी आंदोलन, चाहे वे किसी नाम से भी चलाए जा रहे हों या किसी भी विचारधारा से प्रेरित हों। सबका उद्देश्य भारत की प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना ही है। अनेक विकास परियोजनाओं के खिलाफ इनका हस्तक्षेप यह बताता है कि सारा कुछ बेहतर नहीं है।

आखिर पहले की सरकारों ने नेताजी के पराक्रम को क्यों छिपाया?

सुभाष चंद्र बोस

डा0 सुधीर कुमार

पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है।नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम भारतीय इतिहास में केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी के रूप में दर्ज नहीं है, बल्कि वह शौर्य, साहस और राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पण करने की जीवंत चेतना हैं। गुलामी के कालखंड में जब पूरा देश भय, समझौते और याचना की राजनीति में उलझा था, तब नेताजी ने पराधीनता की जंजीरों को तोड़ने के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना था। उनका जीवन स्वयं में पराक्रम की परिभाषा था। इसी पराक्रम, इसी अदम्य साहस और इसी ज्वलंत राष्ट्रभक्ति को स्मरण करने के लिए उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है।पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर यह सिद्ध कर दिया था

कि भारतीय अपने बलबूते साम्राज्यवादी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं। उनका उद्घोष तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा केवल शब्द नहीं थे, बल्कि वह संकल्प था जिसने हजारों युवाओं को बलिदान के लिए तैयार कर दिया था। इतिहास का सबसे लंबा अनुत्तरित प्रश्न नेताजी की मौतइतिहास का यह कटु सत्य है कि आजादी के बाद लंबे समय तक नेताजी के योगदान को वह स्थान नहीं दिया गया जिसके वे अधिकारी थे। उनकी वीरता, उनकी वैकल्पिक सरकार और उनके सैन्य संघर्ष को असुविधाजनक मानकर हाशिये पर डाल दिया गया। ऐसे में पराक्रम दिवस का औपचारिक और राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना केवल सम्मान नहीं बल्कि ऐतिहासिक सुधार है। यह उस अन्याय के खिलाफ घोषणा है जो दशकों तक नेताजी के साथ किया गया। आज पराक्रम दिवस भारत को यह याद दिलाता है कि उसकी आजादी की नींव केवल

वार्ताओं और प्रस्तावों पर नहीं, बल्कि रणभूमि के संकल्प, सैनिक अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान पर रखी गई थी। नेताजी का शौर्य आज भी भारत की नसों में दौड़ता है और पराक्रम दिवस उस चेतना को पुनः जागृत करने का राष्ट्रीय अवसर है। सारा देश आज पराक्रम दिवस पर नेताजी को नमन कर रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि नेताजी का अदम्य साहस, अडिग संकल्प और राष्ट्र के लिए उनका अतुलनीय योगदान आज भी हर भारतीय को मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेताजी निर्भीक नेतृत्व और प्रखर राष्ट्रभक्ति के ऐसे प्रतीक हैं जिनकी चमक समय के साथ और तेज होती गई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस उनके जीवन की प्रेरणा रहे हैं। उन्होंने 23 जनवरी 2009 को गुजरात में ई ग्राम विश्वग्राम योजना के शुभारंभ को याद किया। यह योजना गुजरात के सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल थी। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस योजना का शुभारंभ हरिपुरा से किया गया था, जिसका नेताजी के जीवन में विशेष स्थान रहा है। उन्होंने हरिपुरा की जनता द्वारा दिए गए स्नेहपूर्ण स्वागत और उसी मार्ग पर निकाले गए जुलूस को भी स्मरण किया जिस मार्ग से कभी नेताजी गुजरे थे। प्रधानमंत्री ने 2012 में अहमदाबाद में आयोजित आजाद हिंद फौज दिवस के भव्य कार्यक्रम को भी याद किया। इस अवसर पर तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष पीए संगमा भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक देश पर शासन करने वालों के एजेंडे में नेताजी के गौरवशाली योगदान को स्मरण करना शामिल नहीं था। इसलिए योजनाबद्ध ढंग से उन्हें भुलाने के प्रयास किए गए। लेकिन वर्तमान सरकार का विश्वास इससे अलग है।प्रधानमंत्री ने कहा कि हर संभव अवसर पर नेताजी के जीवन और उनके आदर्शों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नेताजी से संबंधित फाइलों और दस्तावेजों को सार्वजनिक करना एक ऐतिहासिक कदम रहा।प्रधानमंत्री ने 2018 को भी ऐतिहासिक वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की स्थापना की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तिरंगा फहराने का उन्हें सौभाग्य मिला। उसी वर्ष अंडमान निकोबार में श्रीविजयपुरम में भी नेताजी द्वारा तिरंगा फहराने की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तीन द्वीपों के नाम बदले गए जिनमें रास द्वीप का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप रखा गया। प्रधानमंत्री ने लाल किले में स्थापित क्रांति मंदिर संग्रहालय का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां नेताजी और आजाद हिंद सेना से जुड़ी अमूल्य धरोहरें सुरक्षित रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस घोषित करना और इंडिया गेट के पास उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित करना राष्ट्र के लिए गर्व के क्षण हैं।

ये दिल तुम्हारे प्यार का मारा है दोस्तों...

○ पब्लिक की फरमाइश पर ग्राम प्रधान ने दोस्ती पर गाया गीत ○ एसडीएम के देशभक्ति गीत की प्रस्तुति से झूम उठा पंडाल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। ऐतिहासिक मकनपुर बसंत मेले में शनिवार की रात संगीत संध्या के नाम रही। ऑल इंडिया मुशायरा और कवि सम्मेलन के बाद आयोजित इस संगीतमय शाम ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम उस समय और भी खास हो गया, जब मेला अध्यक्ष एवं एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजय दीक्षित ने देशभक्ति तराना "सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी" गाकर पंडाल में जोश भर दिया। वहीं पब्लिक की ज़ोरदार फरमाइश पर ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन ने "एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है दोस्तों, ये दिल तुम्हारे प्यार का मारा है दोस्तों..." गीत गाया। गीत गाते-गाते ग्राम प्रधान भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो उठीं। पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। संगीत संध्या का उद्घाटन मेला अध्यक्ष एसडीएम डॉ. संजय दीक्षित, मेला सचिव तहसीलदार अनुभव चंद्रा, एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह, खजांची सुनील चौधरी, कार्यक्रम संयोजक दीपक श्रीवास्तव एवं आनंद प्रकाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद ग्राम प्रधान द्वारा अतिथियों को तिरंगा गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दम मदार बेड़ा पार के नारों की संगीतमय प्रस्तुति से हुई। इसके बाद सत्यम शिवम सुंदरम की महिला कलाकारों ने गीत गाया। और एक राधा एक मीरा दोनों ने श्याम को चाहा,अन्तर क्या दोनों की चाह में बोलो गीत पर नृत्य पेशकर समां बांध दिया। जुल्फिकार की संगीत पार्टी ने पुराने और नए गीतों के साथ-साथ देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान राम नरेश यादव,इंस्पेक्टर जनार्दन यादव,चौकी इंचार्ज अभिषेक,साहिर हुसैन जाफरी, फराज,अनस, ऐके कटियार समेत कई लोग मौजूद रहे।

जब एसडीएम ने गाया 'सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी', देशभक्ति में डूबा पंडाल

कार्यक्रम अपने पूरे शबाब पर था। दर्शकों की फरमाइश पर कलाकार एक के बाद एक गीत और नज़्में पेश कर रहे थे। इसी दौरान मेला अध्यक्ष एवं एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजय दीक्षित की विशेष फरमाइश पर कलाकार जुल्फिकार ने देशभक्ति गीत सुनो गौर से दुनिया वालों, चाहे जितना जोर लगा लो, सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी प्रस्तुत किया। गीत के दौरान कलाकार मंच से उतरकर एसडीएम के पास पहुँचे और उनसे भी गीत में सुर मिलाने का आग्रह किया। जैसे ही एसडीएम डॉ. संजय दीक्षित ने सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी गीत में सुर से सुर मिलाया, पूरा पंडाल देशभक्ति के रंग में रंग गया। दर्शक तालियों की गड़गड़ाहट के बीच झूमने को मजबूर हो गए। इसके बाद पिया हाजी अली की प्रस्तुति ने माहौल को और अधिक भक्तिमय बना दिया और कार्यक्रम को यादगार क्षणों में बदल दिया।

बसंत पर्व पर प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

बसंत पर्व पर उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आया। बसंत के अगले दिन भी मकनपुर मेले में श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए बिल्हौर सर्किल के एसीपी मंजय सिंह के निर्देशन में पुलिस बल को कई टोलियों में तैनात किया गया। मेले में सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मी मौजूद रहे, जो अराजक तत्वों पर पैनी नजर बनाए हुए थे। वहीं अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने भीड़ प्रबंधन में बेहतर पुलिसिंग का परिचय देते हुए व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा। इस बार वाहनों के आवागमन के लिए की गई बेहतर रूट व्यवस्था के चलते लंबे जाम की स्थिति नहीं बनी, जिससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली। मकनपुर के सज्जादा नशीन नूरुल अरफात जाफरी, पूर्व प्रधान इमरान शिकोहा व नंदलाल पाल तथा अधिवक्ता कामियाब हुसैन जाफरी ने बताया कि इस वर्ष बसंत पर्व पर पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक भीड़ उमड़ी, इसके बावजूद पुलिस, तहसील और जिला प्रशासन द्वारा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है।

जयंती पर सपा कार्यालय में कर्पूरी ठाकुर को पुष्पांजलि

बिल्हौर(कानपुर)। जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर समाजवादी पार्टी की ओर से चौबेपुर स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय और समानता के मजबूत पक्षधर थे। उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए पिछड़े, अति पिछड़े और वंचित वर्गों के हित में कई अहम फैसले लिए। आरक्षण लागू कर उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों को आगे बढ़ाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर का जीवन सादगी, ईमानदारी और सिद्धांतों का प्रतीक रहा। सत्ता में रहते हुए भी उन्होंने कभी अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया। उनके विचार आज भी समाज और युवाओं के लिए प्रेरणादायी हैं। इस मौके पर पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सब्जी बाजार से चोरी हुई बाइक बरामद, दो शातिर चोर गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर पुलिस ने सब्जी बाजार से चोरी हुई बाइक के मामले में दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से बाइक भी बरामद की गई घटना बुधवार शाम की है।सिकंदरपुर गांव निवासी रजनीकांत अपने चचेरे भाई मनोज की बाइक लेकर शिवराजपुर बाजार सब्जी खरीदने पहुंचे थे। बाइक बाजार में खड़ी करते ही अज्ञात चोर उसे उठा कर फरार हो गए। उन्होंने शिवराजपुर थाने में तहरीर दी। थाना प्रभारी वरुण शर्मा के निर्देशन में पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। सूचना पर शिवली रोड स्थित पुलिया के पास पुलिस ने दो युवकों मदनेपुर निवासी हर्षित यादव और भैंसऊ निवासी जतिन सविता को बाइक समेत गिरफ्तार कर लिया। दोनो आरोपियों पर पहले भी अपराधिक मामले दर्ज हैं।

गरीब बच्चों को स्कूल बैग वितरण अभियान की शुरुआत

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिल्हौर विधायक द्वारा विधानसभा क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले 1000 गरीब एवं वंचित बच्चों को स्कूल बैग देने का संकल्प लिया गया है। इस अभियान की शुरुआत शिवराजपुर ब्लॉक के चेतपुरवा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय से की गई।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में अध्ययनरत 70 बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए गए। स्कूल बैग पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि संसाधनों के अभाव में किसी भी बच्चे की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आईं मां-बेटी, मौके पर मौत

पति के सामने पत्नी और 6 साल की बच्ची की गई जान, स्टेशन पर मचा हड़कंप

» स्वराज इंडिया न्यूज

प्रयागराज। कौशांबी जनपद के सिराथू रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। प्लेटफॉर्म बदलने के दौरान रेलवे ट्रैक पार कर रही महिला और उसकी 6 वर्षीय बेटी तेज रफ्तार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गईं, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

गौसपुर नवावा गांव निवासी जाहिद सऊदी अरब में रहते हैं। उनकी पत्नी बानो (32) और बेटी हमीरा (6) कानपुर में एक पारिवारिक निमंत्रण कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। रविवार सुबह करीब 7 बजे बानो अपनी बेटी और रिश्तेदार परवेज खान के साथ ऑटो से सिराथू रेलवे स्टेशन पहुंचीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, परिवार प्लेटफॉर्म पर मेमो ट्रेन का इंतजार कर रहा था। सुबह करीब 8:30 बजे ट्रेन के प्लेटफॉर्म बदलने की घोषणा हुई। इसी दौरान बानो और उसकी बेटी ट्रैक पार कर दूसरे प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ीं, तभी कानपुर से प्रयागराज जा रही एक एक्सप्रेस ट्रेन तेज रफ्तार से आ गई। दोनों संभल नहीं सकीं और ट्रेन की चपेट में आ गईं।

स्टेशन पर मचा हड़कंप

हादसे के तुरंत बाद स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। कुछ समय के लिए रेल यातायात भी प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंचे परिजन परवेज खान ने बताया कि परिवार सिर्फ एक निमंत्रण कार्यक्रम में शामिल होने कानपुर जा रहा था। उन्होंने कहा, ÷पता नहीं इतनी जल्दी क्यों थी, सब कुछ पल भर में खत्म हो गया।÷

गणतंत्र दिवस पर अयोध्या में सुरक्षा का अभेद्य घेरा

» राम जन्मभूमि मार्गों पर पुलिस की कड़ी निगरानी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद कर दिया गया है। राम जन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

रामघाट चौराहा सहित विभिन्न चेकिंग प्वाइंट्स पर पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी के नेतृत्व में दोपहिया व चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। इस दौरान चौकी प्रभारी शेखर नाथ सिंह अपनी टीम के साथ मुस्तैदी से तैनात रहे। चेकिंग के दौरान वाहनों के कागजातों के साथ-साथ संदिग्ध व्यक्तियों की भी सघन जांच की गई।

पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, इसके लिए लगातार निगरानी और सघन चेकिंग की जा रही है। कुल मिलाकर रामनगरी अयोध्या में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालु एवं आम नागरिक पूरी तरह सुरक्षित वातावरण में गणतंत्र दिवस का पर्व मना सकें।

नाबालिग किशोरी के अपहरण व यौन उत्पीड़न के तीन आरोपी गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखनाथ थाना क्षेत्र से नाबालिग किशोरी के अपहरण और यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़िता के अनुसार, वह बीते छह माह से शाहपुर क्षेत्र के एक किशोर के संपर्क में थी। एक जनवरी को वह घर से निकलकर किशोर और उसके एक साथी के साथ गीडा के नौसड़ स्थित एक होटल पहुंची, जहां कुछ समय बाद किशोर उसे वहीं छोड़कर चला गया।पीड़िता का आरोप है कि होटल में रुकने के दौरान होटल मालिक और मैनेजर ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और धमकाकर उसे बंधक बनाए रखा। बाद में तबीयत खराब होने पर उसे दवाएं दी गईं और बड़हलगंज स्थित एक स्पा सेंटर भेज दिया गया, जहां स्पा संचालक द्वारा भी शोषण किए जाने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में मानव तस्करी से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है।पुलिस के अनुसार, अब

तक होटल मालिक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीड़िता का बयान न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराया जाएगा। वहीं परिजनों ने गुमशुदगी की सूचना के बाद कार्रवाई में देरी का आरोप लगाया है। वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मेडिकल परीक्षण कराया गया।

सुशीला डेंटल दांतो का अस्पताल
अकबरपुर तहसील के सामने माती रोड अकबरपुर कानपुर देहात
डा आयुष परमार
BDS, MIDA, (Aiims Delhi) Oral & Dental Surgeon R.C.T एवं पायरिया रोग
Mo. 8957742272,639366454
की ओर से सभी देशवासिओ को 77 वें गणतंत्र दिवस की बहुत बहुत शुभकामनायें शुभकामनायें
मेरा देश मेरा मुल्क मेरा वतन भारत

प्रिया ड्रेडर्स
रिफाइंड, मैदा, चीनी, बेसन,के थोक विक्रेता
नेशनल हाइवे नहर के बगल में लोहिया नगर वार्ड नं 10 नागिन जसी नबीपुर कानपुर देहात की ओर से गणतंत्र दिवस की सभी देश वाशियों को शुभकामनायें
डायरेक्ट यतेंद्र सिंह 9936107645 9125458927
प्रियांसू सिंह 9026836561

मूसानगर थाना प्रभारी व यूट्यूबर गोरेलाल कनपुरिया का स्वागत करते अध्यक्ष धर्मवीर उर्फ विकास

थाना प्रभारी रानियां शिव नारायण सिंह का स्वागत करते प्रधान प्रतिनिधि वीके तिवारी

पुलंदर में क्रिकेट का रोमांच, सोनू सिक्सर की धुआंधार पारी से डेरापुर सेमीफाइनल में

» यूट्यूबर गोरेलाल कनपुरिया को देखने के लिए दर्शकों का पहुंचा हुजूम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील पुलंदर गांव में आयोजित 11वां वार्षिक क्रिकेट टूर्नामेंट पूरे उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ जारी है। ग्रामीण युवाओं को खेलों से जोड़ने और उनकी छिपी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से आयोजित इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की नामी टीमें दमखम दिखा रही हैं। मैच को देखने के लिए यूट्यूबर गोरेलाल कनपुरिया भी वहां आए। टूर्नामेंट के दूसरे दिन क्वार्टर फाइनल मुकाबला डेरापुर और अकबरपुर की टीमों के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डेरापुर की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 264 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर विपक्षी टीम पर भारी दबाव बना दिया। डेरापुर की ओर से सोनू सिक्सर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 22 गेंदों में 73 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें चौकों-छक्कों की बरसात देखने को मिली।लक्ष्य का पीछा करने उतरी अकबरपुर की टीम 240 रन पर सिमट गई और डेरापुर ने मुकाबला अपने नाम करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। शानदार प्रदर्शन के लिए सोनू सिक्सर को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। उन्हें यह

पुरस्कार रनिया थाना प्रभारी शिवनारायण, मूसानगर थाना प्रभारी रीना गौतम एवं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बी.के. तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया। अध्यक्ष धर्मवीर उर्फ विकास ने बताया कि यह टूर्नामेंट बीते 11 वर्षों से ग्राम पंचायत व क्षेत्रवासियों के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण खिलाड़ियों को एक बेहतर मंच प्रदान करना और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है। इस मौके पर गौरव ठेकेदार, पंकज त्रिपाठी, कॉमेंटेटर मधुर चौहान, बबलू शंखवार, उत्तम शंखवार सोनू भदौरिया, आदि लोग लोग मौजूद रहे।

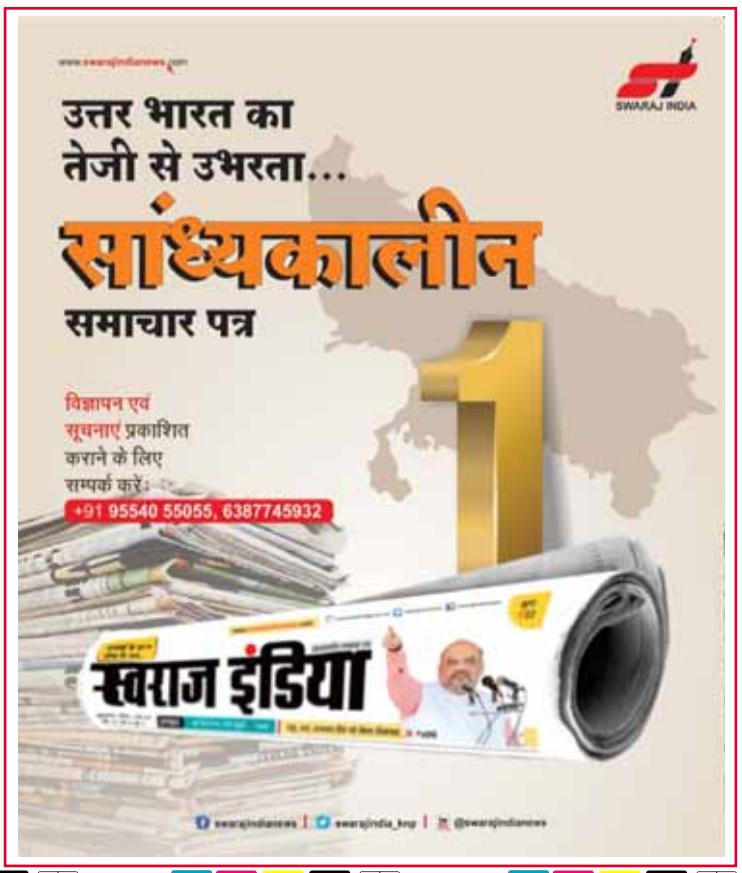

अधिकारियों, छात्र-छात्राओं के साथ नागरिकों को दिलाई मतदाता शपथ

» जिला निर्वाचन अधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को किया सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जनपद कानपुर देहात में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाना तथा मताधिकार के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जनपद में मतदाता जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम का आयोजन मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार, कलेक्ट्रेट में किया गया, जहां जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों, छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित नागरिकों को मतदाता शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर तृतीय लिंग (थर्ड जेंडर) मतदाताओं रेखा, राममूर्ति एवं मोनिका को सम्मानित कर समावेशी लोकतंत्र का संदेश दिया गया। वहीं नए मतदाता शिवम को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाता पहचान पत्र (वोटर कार्ड) प्रदान किया गया।

निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) मनोज कुमार सिंह, सुनील कुमार, बृजेश कुमार पाण्डेय, देवेश कुमार, मनोज कुमार एवं मंजू पाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे निर्वाचन कार्य में लगे कार्मिकों का मनोबल बढ़ा। साथ ही मतदाता जागरूकता गीत प्रस्तुत करने के लिए विजय बहादुर एवं रामसेवक को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी कपिल सिंह ने मतदाता शपथ के प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जाति, धर्म एवं लिंग से ऊपर उठकर निष्पक्ष मतदान करने तथा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से दूर रहने की अपील की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को भविष्य का मतदाता बताते हुए कहा कि युवा वर्ग की जागरूकता से ही लोकतंत्र सशक्त होता है। कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं अद्यतन से संबंधित जानकारी भी दी गई। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिग्विजय सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक बृजभूषण चौधरी, सहायक निर्वाचन अधिकारी गिरिवर प्रसाद, सहायक निर्वाचन अधिकारी पंचायत अजीत पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इतनी बड़ी घटना के बाद व्यापार मंडल कहां है?

मासूम बच्चे के हत्याकांड में विनोद केसरवानी ने मोर्चा खोला

अपनी आवाज उठाते विनोद केसरवानी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चित्रकूट। बरगढ़ कस्बे में व्यापारी के 13 वर्षीय बेटे की अपहरण के बाद हत्या से पूरे जनपद में आक्रोश फैल गया है। इस मामले को लेकर समाजसेवी विनोद केसरवानी ने खुलकर मोर्चा खोला है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मासूम बच्चे का खून लहूलुहान हालत में बहता देखा गया, उससे चित्रकूट की जनता को गहरा दुख और आक्रोश है।

लोगों ने आरोपी का सामान फूंक दिया

विनोद केसरवानी ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक इस अपराध में शामिल बचे हुए आरोपी इरफान का पुलिस एनकाउंटर नहीं होता, तब तक लोगों को तसल्ली नहीं मिलेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे अपराध करने वालों के प्रति किसी भी तरह की नरमी क्यों बरती जा रही है। बताया जा रहा है कि बरगढ़ कस्बे के व्यापारी अशोक केसरवानी के पुत्र आयुष का अपहरण कर हत्या करने वाले आरोपियों में से एक कल्लू नामक अपराधी जिसकी उम्र 65 साल बताई जा रही है उसको पुलिस मुठभेड़ में ढेर कर दिया है. जबकि दूसरा आरोपी इरफान पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने के बाद घायल हो गया, जिसका इलाज प्रयागराज में चल रहा है। इधर, कुछ लोगों का आरोप है कि पोस्टमार्टम 5 घंटा चला और मीडिया को भी अंदर जाने नहीं दिया गया, जिससे पूरे मामले को लेकर संदेह और नाराजगी और बढ़ गई है। इस पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। विनोद केसरवानी ने व्यापार मंडल पर भी निशाना साधते हुए है।

कहा, इतनी बड़ी घटना के बाद व्यापार मंडल कहां है? वह क्यों आवाज नहीं उठा रहा? उन्होंने कहा कि अगर व्यापारी समाज के बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं, तो फिर व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। इस घटना के बाद से क्षेत्र में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोग सख्त कार्रवाई और न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है, वहीं पूरे जनपद में यह मामला चर्चा का केंद्र बना हुआ

अंग्रेजों का अमानवीय आतंक: पेड़ों पर लटकती रहीं फांसी की रस्सियां

फर्रुखाबाद में आज़ादी की अलख जगाने वाले सैकड़ों क्रांतिकारी हुए शहीद

नवाब तफज्जुल हुसैन के पूरे परिवार को एक साथ दी गई फांसी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। भारत की आज़ादी की लड़ाई में फर्रुखाबाद की धरती ने असंख्य बलिदान दिए, लेकिन इतिहास के पन्नों में दबा यह अध्याय आज भी रोंगटे खड़े कर देता है। स्वतंत्रता की अलख जगाने वाले क्रांतिकारियों को अंग्रेजों ने बिना किसी मुकदमे, बिना किसी कार्रवाई के सरेआम फांसी पर लटका दिया। आज़ादी के उन शहीदों की यादें तो बची हैं, लेकिन उनका दर्द आज भी हवा में महसूस किया जा सकता है।

अंग्रेजी हुकूमत ने फतेहगढ़ और फर्रुखाबाद के बीच कई फौजी टुकड़ियां तैनात कर रखी थीं। जो भी व्यक्ति इस मार्ग से गुजरता, उसे जबरन पेड़ों पर लटक रही रस्सियों में डालकर फांसी दे दी जाती थी। यह दृश्य क्रांतिकारियों के लिए चेतावनी और आम जनता के लिए खौफ का प्रतीक था। मऊ दरवाजा से लेकर फतेहगढ़ कचहरी तक सड़क के दोनों ओर पेड़ों पर फांसी के फंदे पहले से लटके रहते थे। एक व्यक्ति को फांसी देने के बाद शव को तब तक लटकाए रखा जाता, जब तक अगला शिकार पकड़ में न आ जाए। अंग्रेज सिपाही लगातार गश्त कर इस आतंक पर निगरानी रखते थे। यह उस दौर के नवयुवकों पर किया गया खुला और क्रूर अत्याचार था।

नवाब तफज्जुल हुसैन के परिवार का सामूहिक बलिदान

अंग्रेजी क्रूरता की पराकाष्ठा तब दिखी, जब नवाब तफज्जुल हुसैन के पूरे परिवार को एक साथ फांसी पर लटका दिया गया। किसी को बख्शा नहीं गया न उम्र देखी गई, न संबंध। अत्याचार केवल फतेहगढ़ङ्कफर्रुखाबाद तक सीमित नहीं रहा। अंग्रेजों ने गांव-गांव में गोलियों से लोगों को भून दिया। भोजपुर गांव में अंग्रेजी नावों पर हुए हमले के बाद पूरे गांव की तलाशी ली गई। देवी काले खान की कथित भूमिका के चलते पूरे गांव को दंडित किया गया। भोजपुर के इनामुल्लाह और उनके भाई बरकतउल्ला भी आज़ादी की लड़ाई में शहीद हुए।

फांसी और काले पानी की सजा

थानेदार की हत्या के आरोप में फतेह सिंह, अयोध्या सिंह, उमराव सिंह, मुन्ना सिंह, लोचन सिंह गुर्जर और गंगा सहित कई क्रांतिकारियों पर मुकदमे चलाए गए। इन सभी को फांसी या काले पानी की सजा दी गई।

यह वह स्कूल है जहां पर पीपल के पेड़ पर लोगो को फांसी दी गई थी

पेड़ों ने देखी शहादत की दास्तान

नवाब इकबाल अहमद को वर्ष 1862 में गवर्नमेंट हाई स्कूल फर्रुखाबाद के पीपल के पेड़ पर फांसी दी गई। फांसी से पहले उनके शरीर पर सूअर की चर्बी लगाई गई–जो धार्मिक अपमान का भी प्रतीक था। नवाब सखावत हसन को 13 सितंबर 1863 को फतेहगढ़ किले में इमली के पेड़ से लटकाकर फांसी दी गई। नवाब मुजफ्फर हुसैन को सितंबर 1863 में पीपल के पेड़ पर फांसी दी गई। मोहसीन अली को अनापुर के युद्ध के बाद, जब वे हुसैन शाह के मकबरे में सो रहे थे, अंग्रेज अधिकारी हैंडसम हार्ट द्वारा चारपाई से बांधकर पकड़ लिया गया।

रुदौली में बालू माफिया का नियम को ठेंगा!

» पट्टे की आड़ में नदी को बनाया मौत का गड्ढा, ट्रकों के आगे लेट गए ग्रामीण

» जायसवाल ब्रदर्स सिंडिकेट पर नियमो की धज्जियां उड़ाने का आरोप, डीएम से शिकायत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रुदौली तहसील का ग्राम मरऊचा इन दिनों बालू माफिया और कानून के बीच जंग का मैदान बन चुका है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बालू खनन पट्टे की आड़ में राकेश व सरोज जायसवाल सिंडिकेट ने खुलेआम नियम-कानून को ठेंगा दिखाते हुए ऐसा तांडव मचाया है, जिसने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया है।

बता दे कि बीते कई दिनों से नदी, उसकी उपधाराओं और आसपास के इलाकों में सैकड़ों बीघा भूमि पर बेरोकटोक अवैध बालू खनन किया जा रहा है।

हालात इतने भयावह हैं कि नदी की उपधारा को खोद-खोदकर चौड़ी नदी में तब्दील कर दिया गया, जिससे क्षेत्र में गहरे मौत के गड्ढे बन चुके हैं। इन्हीं गड्ढों में गिरकर एक व्यक्ति की जान जाते-जाते बची। ग्रामीणों ने अपनी जान पर खेलकर उसे बाहर निकाला, वरना एक और लाश इस अवैध खनन की भेंट चढ़ जाती।

बीती शनिवार की रात को अवैध खनन से त्रस्त ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। खनन कार्य रुकवाने के लिए ग्रामीण मौके पर पहुंचे, बालू से लदे ट्रकों को घेरा और हालात यहां तक पहुंचे कि लोग ट्रकों के सामने सड़क पर लेट गए। नारेबाजी, हंगामा और आक्रोश के बीच पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया।

कार्रवाई माफिया पर नहीं, ग्रामीणों पर?

ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने खनन माफिया पर शिकंजा कसने के बजाय प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को ही दबाने की कोशिश की। इससे लोगों का आक्रोश और भड़क गया। गांव-गांव में चर्चा है कि माफिया को किसी न किसी स्तर पर संरक्षण मिला हुआ है, तभी इतनी बड़ी कार्रवाई के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सूत्रों के अनुसार ग्रामीणों ने पूरे मामले की जानकारी जिलाधिकारी को फोन कर दे दी है। लेकिन सवाल वही है, जो रुदौली की सड़कों से लेकर चौपालों तक गूंज रहा है–क्या प्रशासन बालू माफिया पर कार्रवाई करेगा? या फिर पट्टे की आड़ में चल रहा यह अवैध खेल यूं ही चलता रहेगा? आज रुदौली में सिर्फ बालू नहीं निकाली जा रही, बल्कि कानून, पर्यावरण और आम लोगों की सुरक्षा भी रौंदी जा रही है।

चाइल्ड हेल्प लाइन की लापरवाही ने खोला बाल तस्करी का रास्ता

सूचना मिली, टीम नहीं पहुंची, छह मासूम अंधेरे में हुए गायब

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में बाल संरक्षण व्यवस्था पर एक गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। चाइल्ड हेल्प लाइन की कथित लापरवाही के चलते संदिग्ध बाल तस्करी का मामला हाथ से निकल गया, और छह मासूम बच्चों को लेकर एक संदिग्ध व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

मामला 20 जनवरी की रात का है। नयाघाट निवासी रितेश दास ने पुराने सरयू पुल के पास एक अधेड़ व्यक्ति को तीन बच्चों के साथ देखा। ठंड और बच्चों की हालत देखकर रितेश ने मानवीय पहल करते हुए कंबल देने की कोशिश की।

बातचीत में अधेड़ ने बताया कि बच्चों की मां का निधन हो चुका है। लेकिन जब रितेश कंबल लेकर दोबारा लौटे, तो तीन नहीं बल्कि छह बच्चे वहां मौजूद थे। यहीं से मामला संदिग्ध हो गया। रितेश ने जब अधेड़ से पहचान पत्र (आधार कार्ड) मांगा, तो वह टालमटोल करने लगा। स्थिति की गंभीरता भांपते हुए रितेश ने तत्काल यूपी-112 और चाइल्ड हेल्प लाइन को सूचना दी।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस के पहुंचने से पहले ही अधेड़ व्यक्ति ई-रिक्शा से बच्चों को लेकर फरार हो गया, जबकि चाइल्ड हेल्प लाइन की टीम मौके पर पहुंच ही नहीं सकी। यही देरी अब सबसे बड़ा सवाल बन गई है–अगर टीम समय पर पहुंचती, तो क्या बाल तस्करी का पर्दाफाश हो सकता था? इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी ने चाइल्ड हेल्प लाइन को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

समिति ने स्पष्ट किया है कि बच्चों से जुड़े मामलों में एक पल की देरी भी अपराध को बढ़ावा दे सकती है। यह घटना सिर्फ एक चूक नहीं, बल्कि पूरे बाल संरक्षण तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल है। रामनगरी में अगर ऐसी घटनाएं यूं ही नजरअंदाज होती रहीं, तो बाल तस्करी जैसे संगठित अपराधों को खुला न्योता मिलना तय है। अब निगाहें प्रशासन पर हैं–जवाबदेही तय होगी या फाइलों में दब जाएगा मासूमों का मामला?

भवदीय पब्लिक स्कूल में मनाई गई बसंत पंचमी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। भवदीय पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती एवं बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्यालय प्रांगण में पूजा-अर्चना का आयोजन श्रद्धा एवं विधिपूर्वक किया गया। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण कर विद्या और ज्ञान की कामना की गई।इसके पश्चात नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया तथा उनके जीवन, त्याग और देशभक्ति पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई। यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक रहा।

डॉ0 आशीष पाठक जिला अस्पताल अयोध्या

वाह डॉक्टर साहब! चोट दाईं तरफ लगी, रिपोर्ट में लिख दी बाईं तरफ

जिला अस्पताल में खुली पोल

» सीएचसी बीकापुर की इमरजेंसी में 'लेफ्ट-राइट' का घालमेल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।डॉक्टर को भगवान का दर्जा यूं ही नहीं दिया जाता, लेकिन जब वही डॉक्टर दाईं और बाईं में फर्क भूल जाए, तो मरीज की जान भगवान भरोसे ही रह जाती है। अयोध्या के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर से सामने आया यह मामला अब स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर बड़ा सवाल बन गया है।

मिली जानकारी के अनुसार हैदरगंज थाना क्षेत्र के अचल का पुरवा निवासी संदीप यादव (30) सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी बीकापुर लेकर पहुंची। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात एमबीबीएस डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया और मेडिकल रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट में लिखा गया–बाईं तरफ हेड इंजरी,बाईं तरफ फीमर में खुला घाव हालत गंभीर होने पर संदीप को जिला अस्पताल अयोध्या रेफर किया गया। लेकिन यहां पहुंचते ही मेडिकल सिस्टम की नींव हिल गई। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में तैनात डॉ. आशीष पाठक ने जब घायल का परीक्षण किया, तो चौंकाने वाला सच सामने आया घायल को बाईं नहीं, दाईं तरफ गंभीर चोट थी। यानि, सीएचसी बीकापुर की मेडिकल रिपोर्ट हकीकत से उलट निकली। डॉ. आशीष पाठक ने साफ कहा कि उन्होंने अपनी रिपोर्ट में दाईं तरफ लगी चोट का स्पष्ट उल्लेख किया है।अब सवाल सिर्फ एक गलती का नहीं है अगर इसी रिपोर्ट के आधार पर इलाज चलता रहता, तो जिम्मेदार कौन होता? क्या इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों को दाएं-बाएं का ज्ञान भी प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं है?

सूत्रों की मानें तो यह कोई पहला मामला नहीं है। सीएचसी बीकापुर की इमरजेंसी सेवाओं को लेकर पहले भी लापरवाही की शिकायतें आती रही हैं, लेकिन हर बार मामला फाइलों में दबा दिया गया। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है–जब मेडिकल रिपोर्ट ही बीमार हो जाए, तो मरीज का इलाज कैसे सही होगा? अब देखना यह है कि स्वास्थ्य विभाग इस ÷लेफ्ट-राइट घोटाले÷ पर कार्रवाई करता है या फिर मामला भी 'रेफर' होकर ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

बांग्लादेश के समर्थन पर पाकिस्तान को आईसीसी की चेतावनी

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया

- टी20 वर्ल्ड कप विवाद में पाकिस्तान को आईसीसी की चेतावनी
- बांग्लादेश के समर्थन में पीसीबी के बयान बने विवाद की वजह
- सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश ने भारत में खेलने से किया इनकार
- बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को मिला टूर्नामेंट में मौका
- पीसीबी अध्यक्ष ने आईसीसी पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया
- पाकिस्तान के हटने पर एशिया कप बैन तक की चेतावनी
- द्विपक्षीय सीरीज और पीएसएल पर भी कार्रवाई की आशंका

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बांग्लादेश के भारत में मैच खेलने से इनकार करने और टूर्नामेंट से हटने के फैसले पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का खुला समर्थन अब पाकिस्तान के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पाकिस्तान को चेतावनी दी है।

सूत्रों के अनुसार, आईसीसी पाकिस्तान के रवैये से नाराज है और भविष्य में कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में खेलने से मना किया था, जिसके बाद आईसीसी ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया ।

इस फैसले के बाद पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भारत-पाकिस्तान मैचों के लिए वेन्यू बदले जा सकते हैं, तो बांग्लादेश के मामले में ऐसा क्यों नहीं किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के टूर्नामेंट में खेलने या न खेलने का फैसला सरकार करेगी। आईसीसी ने पीसीबी अध्यक्ष के इन बयानों को नकारात्मक रूप से लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप से हटने या दबाव बनाने की कोशिश की, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

राष्ट्रपति पदक से सम्मानित IPS अभिषेक तिवारी छोड़ेंगे नौकरी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

भोपाल। सीएम मोहन यादव की जातिगत राजनीति से स्वर्ण समाज में गहरी नाराजगी है। मध्य प्रदेश कैडर के तेज तर्रार IPS अधिकारी अभिषेक तिवारी ने सेवा से इस्तीफा देते हुए VRS मांगा है। वे वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर केंद्र में सेवाएं दे रहे हैं। इसी दौरान उनके वीआरएस की खबर सामने आई है। इस्तीफे के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया गया है।

जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश कैडर के वरिष्ठ व 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिषेक तिवारी ने भारतीय पुलिस सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (VRS) के लिए आवेदन देकर प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। वे दो बार राष्ट्रपति पदक से सम्मानित हो चुके हैं। बालाघाट पोस्टिंग के दौरान नक्सलियों के एनकाउंटर में अहम भूमिका व अद्म्य साहस के लिए राष्ट्रपति सम्मान दिया गया था। बता दें कि इस्तीफे के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया गया है।

➪ **प्रतिनियुक्ति के दौरान दिया इस्तीफा, मांगा VRS**

IPS तिवारी वर्तमान में नेशनल टेक्निकल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (NTRO) डेप्युटेशन पर सेवाएं दे रहे हैं। इसके पहले वे मध्य प्रदेश में बालाघाट, सागर सहित तीन जिलों में बतौर पुलिस अधीक्षक पदस्थ रहे हैं। सागर जिले में बीते 2024 में बारिश के दौरान एक दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत के बाद उनको हटा दिया गया था। इस मामले ने प्रदेश में खलबली मची दी थी। इसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com